प्रयोगशाला प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देश में अपने अधीनस्थ वन अनुसंधान संस्थानों में कार्यरत अनुसंधान / तकनीकी कर्मियों को **'मानव संसाधन विकास योजना'** के अन्तर्गत प्रतिवर्ष अनुसंधान क्षेत्र में प्रयोगशाला उपकरणों एवं अनुसंधान तकनीकियों की नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने हेतु प्रयोगशाला प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित करता है। इस तारतम्य में स्थानीय उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में दिनांक 25–06–2012 से 29–06–2012 तक पॉच दिवसीय प्रयोगशाला प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री भरत सिंह यादव, अध्यक्ष जिला पंचायत थे। समापन समारोह के दौरा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र संस्थान के निदेशक डॉ0 यू0 प्रकाशम ने प्रदान किये।

पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ0 एस0ए0 अंसारी, (वैज्ञानिक–एफ एवं प्रभागाध्यक्ष, वन आनुवांशिकीय एवं पादप प्रजनन प्रभाग), डॉ0 (श्रीमती) निवेदिता अब्राहिम (पर्यावरण विशेषज्ञ, जेडास, जबलपुर), डॉ. ए0के0 पाण्डेय (वैज्ञानिक–एफ एवं प्रभागाध्यक्ष, अकाष्ठ वन उत्पाद प्रभाग), डॉ0 अरूण ककर (सहायक प्राध्यापक, साइंस कालेज) डॉ0 एन राय चौधरी (वैज्ञानिक–एफ एवं प्रभागाध्यक्ष, वन कीट प्रभाग) डॉ0 एन. कुलकर्णी (वैज्ञानिक–एफ एवं प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग) डॉ0 अविनाश जैन (वैज्ञानिक–ई एवं प्रभागाध्यक्ष, वन

पारिस्थितिकी एवं पुनर्वास प्रभाग) डॉ0 आर0के0 वर्मा (वैज्ञानिक–ई एवं प्रभागाध्यक्ष, वन रोग प्रभाग) डॉ0 एम0 कुन्डू, (वैज्ञानिक–ई एवं प्रभागाध्यक्ष, संवर्धन एवं संयुक्त वन प्रबंध प्रभाग) डॉ0 पी0के0 खत्री (वैज्ञानिक–डी, जैवविविधिता एवं सत्त प्रबंधन प्रभाग एवं सम्पत्ति अधिकारी) डॉ0 पी0बी0 मेश्राम (वैज्ञानिक–ई, वन कीट प्रभाग) डॉ0 नीलू सिंह (वैज्ञानिक–ई, अकाष्ठ वन उत्पाद प्रभाग), डॉ. गिरीश चन्द्रा (वैज्ञानिक सी एवं प्रभारी संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग) डॉ0 संजय सिंह, वैज्ञानिक–बी, जैवविविधिता एवं सत्त प्रबंधन प्रभाग, डॉ0 एन0 के0 बावने (चिकित्सा अधिकारी, टी0एफ0आर0आई0 जबलपुर) डॉ0 फातिमा शिरिन (वैज्ञानिक–ई, वन आनुवांशिकीय एवं पादप प्रजनन प्रभाग), डॉ0 योगेश्वर मिश्रा (वैज्ञानिक–ई, वन आनुवांशिकीय एवं पादप प्रजनन प्रभाग) आदि विशेषज्ञों ने व्याख्यान दियें।

समापन समारोह का संचालन संस्थान के डॉ0 एस0एन0 मिश्रा ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ ममता पुरोहित, श्री विजय कुमार काले, श्री हेनरी, श्री दीपक यादव, श्री राघवेन्द्र सिंह, श्री मोरेकर का विशेष योगदान रहा ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र भ्रमण एवं वेजिटेशन सर्वे हेतु प्रशिक्षार्णियों को वनों एवं घुघवा नेशनल पार्क का भ्रमण डॉ0 एस0सी0 विश्वास एवं श्री संजय सिंह वैज्ञानिकों के नेतृत्व में कराया गया । इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने क्वार्डेट अध्ययन का प्रशिक्षण लिया।

इस पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवीनतम प्रयोगशाला उपकरणों की जानकारी एवं प्रबंधन, उपकरणों के कार्य करने के सिद्वान्त, एवं वन अनुसंधान से जुड़े विभिन्न प्रयोगशालाओं (अकाष्ठ वन उत्पाद प्रयोगशाला, इनसेक्टेरियम, टीशू कल्चर प्रयोगशाला, इकोलाजी प्रयोगशाला एवं वन रोग प्रयोगशाला) के कार्य पद्वति तथा नवीनतम जानकारी दी गई।